इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड के श्रमिकों को "कोक ब्रीच" की सप्लाई

5146. **श्री अजीत जोगी** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड, कुल्टी, पश्चिम बंगाल के श्रमिकों को "कोक ब्रीच" की सप्लाई रियायती दरों पर की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान श्रमिकों को "कोक ब्रीच" की सप्लाई के संबंध में अपनाए गए मानदण्ड और प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या प्रबंधकों को "कोक ब्रीच" की कालाबाजारी के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) जी, हां । कोक ब्रीच का वितरण मस्ट-रोल कर्मचारियों और नियमित कर्मचारियों को ठेकेदार के माध्यम से क्रमशः एक मन और 3 मन की दर से किया जाता है ।

पिछले 3 वर्षों के दौरान कर्मचारियों में वितरित कोक ब्रीच की मात्रा नीचे दी गई है :—

वर्ष	मात्रा (टन)
1991-92	2885.94
1992-93	3706.54
1993-94 (फरवरी 94 तक)	3133.80

(ग) और (घ) "इस्को" को 1991 में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें पात्र कूपन धारकों को कोक ब्रीच की कम मात्रा सप्लाई करने का आरोप लगाया गया था । इस मामले की जांच की गई और कार्रवाई की गई तथा पात्र कर्मचारियों को कोक ब्रीच के सही प्रकार से वितरण को सुनिश्चित करने के लिए ठेकेदार को अनुदेश दिए गए ।

SETTING UP OF STEEL UNITS IN ORISSA

5147. **SHRI RAHASBIHARI BARIK** : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether Government have identified places in Orissa for the location of mini, medium and major steel units;

(b) if so, the details thereof; and

(c) how many of these units are proposed to be set up by Non-Resident Indians, Private Sector, Central Government, State Government and Joint Sector, and the other details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) and (b) According to information received from the Government of Orissa, the State Government have identified approximately 10,000 acres of land in Dubri-Daitari in Jajpur District, Orissa for location of iron and steel units.

(c) No Steel Plant is proposed to be set up by the Central Government. The details of the projects proposed to be set up in the above area are given below :

Sl. No.	Name of the unit and location	Proposed capacity (liquid steel) in lakh tonnes per year	Proposed Promoter(s)
1	2	3	4
1.	Kalinga Steels (India) Ltd. . . .	13.75	Dr. Swraj Paul Chairman, Caparo Group Ltd., U.K. & Govt. of Orissa.
2.	Mid-East Integrated Steels Limited, Daitari.	10.50 (in phases)	Mid-East (India) Ltd., New Delhi and CMIEC, China.

1	2	3	4
3.	Brahmani Iron and Steel Company Ltd., Daitari.	12.00 (in phases)	Bhanu Iron and Steel Company Ltd., New Delhi.
4.	Neelachal Ispat Nigam Ltd., Daitari.	8.40	MMTC, Govt. of Orissa, Orissa Sponge Iron and Ilva, Italy.
5.	Orind Steels Ltd., Daitari (including proposed capacity at Khuntapani)	11.50 (in phases)	Orind Group Rourkela and Gold Star Investment Ltd., Dubai.
6.	Bhushan Steels & Strips Limited, Daitari.	13.00 (in phases)	Bhushan Steel & Strips Limited, New Delhi.

इस्पात विकास निधि

5148. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में इस्पात उत्पादन में वृद्धि के लिए विभिन्न इस्पात उत्पादक इकाइयों पर इस्पात विकास निधि के रूप में एक कर लगाया है;

(ख) यदि हां, तो यह कर कब से लगाया गया है और इसके माध्यम से मार्च, 1994 तक कुल कितनी धनराशि वसूल की गयी है;

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान उत्पादन पर इस कर की वसूली के लिए कितनी धनराशि निर्धारित की गई है और वह किस दर पर वसूली की जाएगी; और

(घ) सरकार द्वारा इस धनराशि का उपयोग किस प्रकार किए जाने की संभावना है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) सरकार ने आधुनिकीकरण और विकास के लिए निधियन योजनाओं और परियोजनाओं हेतु इस्पात विकास निधि के लिए इस्पात के मुख्य उत्पादकों यानी: स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लि. (सेल), इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (इस्को), टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि. (टिस्को) और तदनुपरान्त राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर. आई. एन. एल.) से विभिन्न इस्पात उत्पादों के कारखाना--बाह्य मूल्य में "तत्व" शामिल करने के लिए संयुक्त संयंत्र समिति (जे. पी. सी.) को प्राधिकृत किया है ।

(ख) और (ग) लेवी जून, 1978 से लगाई गई थी और इसकी दर समय-समय पर संशोधित की गई । लेवी को समाप्त करने से तत्काल पूर्व इस्पात की विभिन्न श्रेणियों पर यह लेवी 350 रुपए से लेकर 500 रुपए प्रति टन की दर पर वसूली जाती थी ।

जून, 1978 से मार्च, 1993 तक इस लेवी के माध्यम से वसूली गई कुल राशि 4,135 करोड़ रुपए थी । वर्ष 1993-94 के दौरान इस लेवी के माध्यम से 374 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई ।

(घ) इस्पात विकास निधि का उपयोग मुख्य रूप से आधुनिकीकरण, विविधीकरण के लिए योजनाओं, परियोजनाओं के निधियम और पूंजीगत व्यय तथा लोहे और इस्पात के उत्पादन की प्रौद्योगिकी और दक्षता में सुधार करने के लिए इस्पात के उत्पादकों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए किया गया है ।

Awards organised by NMDC

5149. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "Award Business" published in the 'Economic Times', Bombay on the 24th March, 1994;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether CMD of the NMDC Ltd. has been organising such awards; and